

उ.सं.- 293/22 अर्थात- रतनाशम । इच्छाज

पत्रावली पेश हुई श्रीमान् जी पी.ओ. साहब...
22/24 ...
पत्रावली दि०...12/6/24... को पेश हो।

12/6/24 वकील वाकी उपरिभार पत्रिकाकी सुरक्षा
2,45 की ओर से रविशान्त श्व.
उपरिभार मापसु जागत जाग पेश
विमा धरं सेप की लखरी हस्त
रजिस्ट्रार सम्मान पेश कर पत्रावली
दिनांक 26/3/24 का पेश हो

25/6/24 वकील वाकी व निवेदन पर पत्रा
पेश हुई वकील वाकी [वाकी] के
निवेदन विमा की हम पक्षपार
का मापसु से राजीनामा हो गया
इसलिए वाद की चर्चा नहीं
रकारिण परमात वाकी हमप से
दाय मपण वाद की चर्चा के
कारण रकारिण विमा जाग व
पत्रावली दारिद्र्य हफतर हो

अपठ अधिकारी
बोहर

2011/24